न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी संगरिया
पीठासीन अधिकारीः– जय कौशिक आर.ए.एस.
प्रकरण संख्याः– 03 / 2026
वादपत्र अन्तर्गत धारा :– 88 / 53 आरटीए

1 गगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह | जाति जटसिख साकिनान इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
2 छगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह | जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान)
3 गुरप्रीतसिंह पुत्र बलदेवसिंह | जाति जटसिख साकिनान इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया,

—वादीगण—

बनाम

1. सुखदेवसिंह पुत्र बख्तावरसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
2. राजपालकौर पत्नी सुखदेवसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
3. बेअन्तकौर पत्नी गुरप्रीतसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
4. जसवीरकौर पत्नी बलदेवसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
5. हरदीपसिंह पुत्र बलदेवसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
6. पवनदीपकौर पत्नी हरदीपसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
7. रमनदीपकौर पत्नी गगनदीपसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
8. बलदेवकौर पुत्री बख्तावरसिंह पत्नी गुरदेवसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ हाल आबाद किकरखेड़ा तहसील अबोहर जिला फाजिल्का (पंजाब)
9. बलजीतकौर पुत्री बलदेवसिंह पत्नी जसकिन्द्रसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ हाल आबाद भागसर तहसील व जिला मुक्तसर साहिब (पंजाब)
10. गुरमेलसिंह पुत्र बलवीरसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
11. हरमेलसिंह पुत्र बलवीरसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
12. बूटासिंह पुत्र जगिन्द्रसिंह जाति जटसिख सा0 इन्द्रगढ़ तह.संगरिया जिला. हनुमानगढ़
13. रामसिंह पुत्र जगिन्द्रसिंह जाति जटसिख सा0 इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया जिला. हनुमानगढ़
14. सुखपालकौर पत्नी अजायबसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
15. अमरजीतकौर पत्नी गुरदीपसिंह जाति जटसिख साकिन इन्द्रगढ़ तहसील संगरिया
16. एसबीबीजे / एसबीआई शाखा संगरिया, जरिये मैनेजर।
17. बैंक ऑफ बड़ोदा, शाखा किशनपुरा उत्तरादा, जरिये मैनेजर।
18. बैंक ऑफ बड़ोदा, शाखा संगरिया, जरिये मैनेजर।
19. यश बैंक, लिमिटेड, शाखा पीलीबंगा, जरिये मैनेजर।
20. तहसीलदार राजस्व संगरिया।

प्रतिवादीगण

उपस्थित :–

1– श्री ओमप्रकाश शर्मा वकील वादीगण
2– श्री नवरत्न स्वामी – वकील प्रति सं. 1 ता 15
3– श्री राधेश्याम झोरड़ – वकील प्रति.संख्या 18
4– तहसीलदार राजस्व संगरिया– राज–पैरोकार प्रति.संख्या 5

निर्णय दिनांक :– 13.1.2026

अधिवक्ता वादी द्वारा एक राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88 / 53 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत किया जिसके तथ्य निम्नानुसार है कि वादीगण एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 से 9 एक ही परिवार के व्यक्ति है. हमारे संयुक्त परिवार की कृषि भूमि , तहसील संगरिया के चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39 / 36, में गुरदयालकौर के नाम 1.264 है0 व खाता संख्या 134 / 117 में सुखदेवसिंह के नाम 3.036 है0 व खाता संख्या 70 / 75 में 3.289

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

है0 व खाता संख्या 117/2 में 0.633 है0 व खाता संख्या 71/103 में वादीगण के नाम 2.530 है0 तथा चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 में वादीगण के नाम 2.530 है0 तथा चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 61/86 में प्रतिवादीगण के नाम 1.265 है0 व खाता संख्या 33/89 में गुरदयालकौर एवं प्रतिवादीगण के नाम से 1.012 है0 इस प्रकार कुल15.559 है0 राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। हमारे बख्तावरसिंह व उनकी पत्नी गुरदयालकौर का देहान्त हो चुका है। दावा के पहरा संख्या 2 में वर्णित समस्त आराजी चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39/36 में गुरदयालकौर के नाम 1.264 है0 व खाता संख्या 134/117 में सुखदेवसिंह के नाम 3.036 है0 व खाता संख्या 70/75 में 3.289 है0 व खाता संख्या 71/103 में 2.5390 है0 व खाता संख्या 117/2 में 0.633 है0 तथा चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 में वादीगण के नाम 2.530 है0 तथा चक न. 7 पी.टी.पी.खाता स. 61/86 में प्रतिवादीगण के नाम 1.265 है0 व खाता संख्या 33/89 में गुरदयालकौर एवं प्रतिवादीगण के नाम से, 1.012 है0 इस प्रकार कुल 15.559 है0 भूमि हमारी विरासतन एवं पैतृक सम्पति है तथा कुछ पैतृक की आय से खरीद होने से पैतृक है जिसका कुल भूमि का विवरण निम्न प्रकार से है :-

(क) चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39/36 सम्वत् 2072-2075

प0न0	मु0न0	किला न0
133/126	50	6-14-15/0.759,
134/126.	51	10/0.253, 11/0.252 कुल खसरे 5 योग खाता 1.264 है0 नहरी

(ख) चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134/117 सम्वत् 2072-2075

प0न0	मु0न0	किला न0
131/125	47	24-25/0.506,
131/126	48	4-18-23/0.759
132/126	49	5/1/0.202,5/2/0.025खाला 5/3/0.026 रास्ता 6/1/0.228, 6/2/0.025 रास्ता,
133/125	45	19-21-22-23/1.012
133/126	50	1/1/0.202, 1/2/0.051 खाला, कुल खसरे 16, योग खाता 3.036 है0 नहरी मय गै0मु0

(ग) चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 70/75 सम्वत् 2072-2075

प0न0	मु0न0	किला न0
131/126.	48	7-14-17-24/1.012
131/127	63	4/0.253,
133/126	50	2/1/0.228, 2/2/0.025, 3/1/0.228, 3/2/0.025, 7-8-9/0.759,10/1/0.228, 10/2/0.025, 12-13/0.506 कुल खसरे 16 योग खाता 3.289 है0 नहरी मय गै0मु0

(घ) चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 71/103 सम्वत् 2072-2075

प0न0	मु0न0	किला न0
133/125	45	6, 14 से 18, 24 से 25/2.024
134/125	44	11-20/0.506,कुल खसरे 10 योग खाता 2.530 है0 नहरी

(ङ) चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 117/2 सम्वत् 2072-2075

प0न0	मु0न0	किला न0

उपखण्ड कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

131/127 63 2,3/0.506,8/1/0.127कुल खसरे 3 योग खाता 0.633 है0 नहरी

(छ) चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 सम्वत् 2073–2076

प0न0	मु0न0	किला न0
128/116	15	15/1/0.228, 15/2/0.025,
129/116	14	10 ता 14/1.265, 15/1/0.228, 15/2/0.025, 16/1/0.228, 16/2/0.025, 17–18/0.506, कुल खसरे 5 योग खाता 1.264 है0 नहरी

(छ) चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 61/86 सम्वत् 2070–2073

प0न0	मु0न0	किला न0
130/131	27	2/1/0.228, 2/2/0.025, 6/1/0.215, 6/2/0.038, 7–8–9/0.759,कुल खसरे 7 योग खाता 1.265 है0 नहरी

(ज) चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 33/89 सम्वत् 2070–2073

प0न0	मु0न0	किला न0
130/132	34	8/0.253,
131/132	33	1–10/0.506,
133/133	42	25/0.253,कुल खसरे 4 योग खाता 1.012 है0 नहरी

वादीगण की दादी गुरदयालकौर पत्नी बख्तावरसिंह का देहान्त हो चुका है जिनके विधिक वारिस वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 9 ही है। उक्त गुरदयालकौर के नाम भूमि में से प्रतिवादीगण संख्या 1 तथा 9 किसी प्रकार से हिस्सा नहीं लेना चाहते उन्होने अपने–अपने हिस्सा की भूमि हम वादीगण को छोड़ दी है अतः राजस्व अभिलेख उक्त मृतक गुरदयालकौर का नाम कलमजन करा भूमि हम वादीगण अपने–अपने नाम कराने के अधिकारी एवं दावेदार है। दावा के पहरा संख्या 3 में वर्णित भूमि हमारी पैतृक एवं जद्दी जायदाद है, हम वादीगण संख्या 1 व 2 प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 के जायज एवं सगे पुत्र है हमारा उक्त पैतृक सम्पति मे जन्मजात हिस्सा बनता है जिसे प्राप्त करने के हम वादीगण अधिकारी है। कालांतर में हम वादीगण एवं प्रतिवादीगण संख्या संख्या 1 से 9 का सांझा परिवार था लेकिन अब हमारा घरू विभाजन हो चुका है मुताबिक घरू विभाजन तहसील संगरिया के चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39/36 में गुरप्रीतसिह को 0.759 है0 व अमरजीतकौर को 0.505 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से मृतक गुरदयालकौर का नाम कलमजन किया जावे तथा इसी चक के खाता संख्या 134/117 में 1.265 है0 गगनदीपसिंह को व रमनदीपकौर को 1.139 है0 तथा पवनदीपकौर को 0.379 है0 व गुरप्रीतसिंह को 0.253 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से सुखदेवसिंह का नाम कलमजन किया जावे तथा इसी चक के खाता संख्या 70/75 में गगनदीपसिंह को 1.265 है0 व गुरप्रीतसिंह को 2.024 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से बेअन्तकौर, बलजीतकौर, हरदीपसिंह, अमरजीतकौर का नाम कलमजन किया जावे, तथा इसी चक के खाता संख्या 71/103 में राजपालकौर को2.024 है0 व रमनदीपकौर को 0.506 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से गगनदीपसिंह व छगनदीपसिंह का नाम कलमजन किया जावे तथा इसी चके के खाता संख्या 117/2 में गगनदीपसिंह को 0.506 है0 प्राप्त हो चुकी है उक्त

सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

खाता से राजपालकौर का नाम कलमजन किया जावे तथा चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 में छगनदीपसिंह को 2.530 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से गगनदीपसिंह का नाम कलमजन किया जाकर पूर्ण हिस्सा छगनदीपसिंह के नाम अंकित किया जावे, तथा चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 61/86 में बेअन्तकौर को 1.265 है0 यानि पूर्ण हिस्सा प्राप्त हो चुका है उक्त खाता से गुरप्रीतसिंह, बलजीतकौर, हरदीपसिंह का नाम कलमजन किया जावे, व इसी चक के खाता संख्या 33/89 में छगनदीपसिंह को 0.253 है0 व बेअन्तकौर को 0.506 है0 व गुरमेलसिंह, बूटासिंह,रामसिंह,हरमेलसिंह को 0.253 है0 भूमि प्राप्त हो चुकी है उक्त खाता से गुरदयालकौर व सुखदेवसिंह का नाम कलमजन किया जाकर गगनदीपसिंह व बेअन्तकौर का नाम अंकित किया जावे। दावा के पहरा संख्या 3 में वर्णित समस्त भूमि बाबत हमारा परिवारिक विभाजन हो चुका है अब हमारा सांझा खानदान नहीं रहा है तथा हमने समस्त सम्पति जो एक दूसरे नाम थी का भली भांती घरू विभाजन अच्छी व खराब भूमि के आधार पर कर लिया है और उसी अनुसार कब्जा भूमि का प्राप्त कर लिया हैं मुताबिक परिवारिक एवं घरू विभाजन अनुसार भौतिक रूप से हमारी कब्जा काश्त निम्न भूमि पर है:–

(क) वादी संख्या 1–गगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता सख्या 134/117 व खाता सख्या 70/75 व खाता संख्या 117/2

प0न0	मु0न0	किला न0
131/125	47	24–25/0.506,
131/126	48	4–7–14–17–18–23–24/1.771
131/127	63	2–3–4/0.759,कुल 3.036 है0 नहरी

(ख) वादी संख्या 2–छगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता सख्या 20/29

प0न0	मु0न0	किला न0
128/116	15	15/1/0.228, 15/2/0.025,
129/116	14	10 ता 14/1.265, 15/1/0.228, 15/2/0.025, 16/1/0.228, 16/2/0.025, 17–18/0.506, कुल 2.530 है0 नहरी

चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता सख्या 33/89

प0न0	मु0न0	किला न0
130/132	34	8/0.253,कुल 0.253 है0 नहरी

(ग) वादी संख्या 3–गुरप्रीतसिंह पुत्र बलदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता सख्या 134/117 व 70/75 व 39/36

प0न0	मु0न0	किला न0
133/126	50	1/1/0.202, 1/2/0.051, 2/1/0.228, 2/2/0.025, 3/1/0.228, 3/2/0.025, 6–7–8–9/1.012, 10/1/0.228, 10/2/0.025, 12–13–14–15/1.012 कुल 3.036 है0 नहरी मय गै0मु0

(घ) प्रति0 सं0. 2–राजपालकौर पत्नी सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता सख्या 71/103

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

प०न० मु०न० किला न०
133/125 45 6, 14 से 18/1.518,
134/125 44 11-20/0.506, कुल 2.024 है० नहरी

(ड़) प्रति० सं० 3—बेअन्तकौर पत्नी गुरप्रीतसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 61/86 व खाता संख्या 33/89

प०न० मु०न० किला न०
130/131 27 2/1/0.228, 2/2/0.025, 6/1/0.215, 6/2/0.038, 7-8-9/0.759,
131/132 33 1-10/0.506,कुल 1.771 है० नहरी मय गै०मु०

(च) प्रति० सं० 6—पवनदीपकौर पत्नी हरदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134/117

प०न० मु०न० किला न०
132/126 49 5/1/0.151, 6/1/0.228,कुल 0.379 है० नहरी

(छ) प्रति० सं० 7—रगनदीपकौर पत्नी गगनदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134/117 व खाता संख्या 71/103

प०न० मु०न० किला न०
132/126 49 5/1/0.051, 5/2/0.025 खाला 5/3/0.026 रास्ता 6/2/0.025 रास्ता,
133/125 45 19 व 21 से 25/1.518कुल 1.645 है० नहरी मय गै०मु०

(ज) प्रति० सं० 10—गुरमेलसिंह 11—हरमेलसिंह पुत्रगण बलवीरसिंह 12—बूटासिंह 13—रामसिंह पुत्रगण जगिन्द्रसिंह की बैहिब० कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 33/89

प०न० मु०न० किला न०
133/133 42 25/0.253, कुल 0.253 है०

(झ) प्रति० सं० 14 सुखपालकौर पत्नी अजायबसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 117/2

प०न० मु०न० किला न०
131/127 63 8/1/0.127, कुल 0.127 है० नहरी

(ण) प्रति० सं० 15—अगरजीतकौर पत्नी गुरदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.जी.डी. खाता संख्या 39/36

प०न० मु०न० किला न०
134/126 51 10/0.253, 11/0.252 कुल 0.505 है० नहरी वादीगण की कब्जा काश्त में दावा के पहरा संख्या 6 में अंकित भूमि पर है जिसे हमने अपनी मेहनत एवं धन खर्च कर काबिल काश्त बनाया है लेकिन उक्त भूमि मुताबिक कब्जा काश्त अनुसार हम वादीगण के नाम दर्ज नहीं होने और भूमि का खाता सांझा होने से हम वादीगण के खातेदारी अधिकारों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, अब हम उक्त भूमि का खाता सांझा नहीं रखना चाहते अतः हम वादीगण मुताबिक पारिवारिक विभाजन एवं कब्जा काश्त अनुसार उक्त भूमि अपने अपने नाम राजस्व अभिलेख में इन्द्राज करवा खाता विभाजन कराने के मुस्तहक एवं दावेदार है। वादीगण ने प्रति० से कहा कि वे वादीगण को जन्मजात हिस्सा अनुसार खातेदार काश्तकार मानकर भूमि उनके नाम राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज करवा देवे तथा पारिवारिक घरू विभाजन

नायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

अनुसार दावा के पहरा संख्या 6 में अंकित भौतिक कब्जा काश्त अनुसार हमारा खाता विभाजन कराने में सहयोग करे तो प्रतिवादीगण पहले तो आज–कल आज–कल कहकर टाल मटोल करते रहे अन्त में पिछले सप्ताह ऐसा करने से कतई तौर पर इन्कार कर दिया बस यही वाद कारण है। अन्य तथ्य वर वक्त बहस माननिय न्यायालय की अनुमति से अर्ज किये जावेगें। दावा बाबत इस्तकरार हक एवं खाता विभाजन का है जो उचित न्याय शुल्क पर प्रस्तुत है तथा माननिय न्यायालय के क्षेत्राधिकार व श्रवणाधिकार में है तथा अन्दर मियाद है।

लिहाजा वाद वादीगण बहक वादीगण विरूद्ध प्रतिवादीगण निम्न प्रकार से डिकरी फरमाया जावे कि वादीगण मुताबिक जनाजात एवं घरू विभाजन अनुसार तहसील संगरिया के चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39/36 में गुरप्रीतसिंह 0.759 है0 व अमरजीतकौर 0.505 है0 के खातेदार काश्तकार है, उक्त खाता से मृतक गुरदयालकौर का नाम कलमजन किया जावे तथा खाता सं. 134/117 में गगनदीपसिंह 1.265 है0, रमनदीपकौर 1.139 है0 पंवनदीपकौर 0.379 है0 व गुरप्रीतसिंह 0.253 है0 के खातेदार काश्तकार है, उक्त खाता से सुखदेवसिंह का नाम कलमजन किया जावे तथा खाता सं. 70/75 में गगनदीपसिंह 1.265 है0 व गुरप्रीतसिंह 2.024 है0 भूमि के खातेदार काश्तकार है, उक्त खाता से बेअन्तकौर,बलजीतकौर, हरदीपसिंह, अमरजीतकौर का नाम कलमजन किया जावे, तथा खाता संख्या 71/103 में राजपालकौर 2.024 है0 रमनदीपकौर 0.506 है0 भूमि के खातेदार काश्तकार है, उक्त खाता से गगनदीपसिंह व छगनदीपसिंह का नाम कलमजन किया जावे तथा खाता संख्या 117/2 में गगनदीपसिंह 0.506 है0 भूमि का खातेदार काश्तकार है उक्त खाता से राजपालकौर का नाम कलमजन किया जावे तथा चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 में छगनदीपसिंह पूर्ण हिस्सा 2.530 है0 भूमि का खातेदार काश्तकार है उक्त खाता से गगनदीपसिंह का नाम कलमजन किया जाकर पूर्ण हिस्सा छगनदीपसिंह के नाम अंकित किया जावे, तथा चक न0 7 पी.टी.पी. खाता सं. 61/86 में बेअन्तकौर पूर्ण हिस्सा 1.265 है0 भूमि की खातेदार काश्तकार है उक्त खाता से गुरप्रीतसिंह, बलजीतकौर, हरदीपसिंह का नाम कलमजन किया जावे, व इसी चक के खाता संख्या 33/89 में छगनदीपसिंह कुल 0.253 है0 व बेअन्तकौर कुल 0.506 है0 भूमि के खातेदार काश्तकार है उक्त खाता से गुरदयालकौर व सुखदेवसिंह का नाम कलमजन किया जाकर छगनदीपसिंह व बेअन्तकौर का नाम अंकित किये जाने के आदेश दिये जावे। दावा के पहरा संख्या 6 में वर्णित कब्जा काश्त अनुसार भूमि का हम वादीगण एवं प्रतिवादीगण को खातेदार काश्तकार घोषित कर हम सभी का खाता विभाजन किया जाकर रकम राज अलग से कायम किये जाने के आदेश दिये जावे।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर वाद प्रस्तुत होने पर सिगेदार की रिपोर्ट ली गई। वाद–पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 16,17,19 बावजूद सूचना उपस्थित नही आये। वादीगण एव प्रतिवादी संख्या 1 ता 8, 10 ता 13, 15 ने जरिये अधिवक्ता उपस्थित होकर अपना राजीनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

गया। प्रतिवादी संख्या 9 जवाबदावा पेश कर वाद को स्वीकार किया। प्रतिवादी संख्या 14 ने जवाबदावा मय काउन्टर क्लेम पेश किया जिसका वकील वादीगण ने कोई एतराज नहीं किया। प्रतिवादी संख्या 18 व 20 स्टेट/बैंक की ओर से जवाब दावा प्रस्तुत हुआ जिसे शामिल मिसल किया गया। साक्ष्य वादी में वादी गगनदीप सिंह ने अपना शपत्र पत्र अन्तर्गत आदेश 18 नियम 4 सीपीसी प्रस्तुत किया। वकील वादीगण एवं प्रतिवादीगण ओर साक्ष्य पेश नहीं करने के कारण साक्ष्य वादी एवं प्रतिवादी बन्द किये गये। वकील वादीगण ने फार्म नं. 3 के साथ प्रस्तुत कर निम्नानुसार दस्तावेज प्रदर्श करवाये:–

1. चक 5 आईडीजी खाता संख्या 39/36 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075 प्रदर्श–1
2. चक 5 आईडीजी खाता संख्या 134/117 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075 प्रदर्श–2
3. चक 5 आईडीजी खाता संख्या 70/131 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075 प्रदर्श–3
4. चक 5 आईडीजी खाता संख्या 71/103 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075 प्रदर्श–4
5. चक 5 आईडीजी खाता संख्या 117/2 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075 प्रदर्श–5
6. चक 6 आईडीजी खाता संख्या 20/29 जमाबन्दी सम्वत 2073–2076 प्रदर्श–6
7. चक 7 पीटीपी खाता संख्या 61/88 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073 प्रदर्श–7
8. चक 7 पीटीपी खाता संख्या 33/89 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073 प्रदर्श–8

बहस उभय पक्ष विद्वान अधिवक्तागण सुनी गई। बहस में वकील वादीगण ने कथन किया कि चक 5 आईडीजी खाता संख्या 39/36 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 134/117 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 70/131 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 71/103 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 117/2 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 6 आईडीजी खाता संख्या 20/29 जमाबन्दी सम्वत 2073–2076, चक 7 पीटीपी खाता संख्या 61/88 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073, चक 7 पीटीपी खाता संख्या 33/89 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073, में प्रतिवादीगणों के साथ सांझा खाता मे आराजी दर्ज राजस्व रिकार्ड है जिसका हमने घरू बंटवारा कर अच्छी मन्दी अनुसार विभाजन/कब्जाकाश्त अनुसार कर लिया है। बहस में यह भी कथन किया कि वाद में वादीगण व प्रतिवादीगण आपस मे सहमत है और सहमति का जवाब दावा व काउन्टर क्लेम एव राजीनामा भी पेश हो चुके है, एवं वादपत्र में कोई विरोध नहीं है इसलिए वादपत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। तथा वकिल प्रतिवादीगण ने भी वाद पत्र को स्वीकार कर डिक्री किये जाने हेतु अपनी सहमति दौराने बहस दी गई।

दस्तावेजों का गहराई से अध्ययन किया गया। बहस अधिवक्ता पर मनन किया गया। वाद पत्र में वर्णितानुसार चक 5 आईडीजी खाता संख्या 39/36 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 134/117 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 70/131 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 71/103 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 5 आईडीजी खाता संख्या 117/2 जमाबन्दी सम्वत 2072–2075, चक 6 आईडीजी खाता संख्या 20/29 जमाबन्दी सम्वत 2073–2076, चक 7 पीटीपी खाता संख्या 61/88 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073, चक 7 पीटीपी खाता संख्या

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी

33/89 जमाबन्दी सम्वत 2070–2073 में वादग्रस्त आराजी दर्ज है जो प्रदर्श 1 ता 8 से साबित है। प्रतिवादी सख्या 1 ता 15 ने जरिये अधिवक्ता जवाबदावा व काउन्टर क्लेम एवं राजीनामा पेश कर वादीगण का वाद पत्र स्वीकार किये जाने हेतु अपनी सहमति व्यक्त की गई है। जिसकी वाद पत्र के तथ्यों से पुष्टि हो रही है। दस्तावेजी साक्ष्यों से वाद वादीगण साबित है। पक्षकारान के मध्य कोई विवाद नहीं है। इसलिए प्रकरण में तनकीयात कायम किये जाने की आवश्यकता नहीं है। वादीगण के वाद का प्रतिवादीगण ने कोई विरोध नहीं किया गया। प्रकरण में सहमति का जवाब दावा व काउन्टर क्लेम एवं राजीनामा पेश हो चुके है। परिणाम स्वरूप वाद वादीगण एव काउन्टर क्लेम प्रतिवादी संख्या 14 मुताबिक सहमति अनुसार डिक्री किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः वाद बादीगण काउन्टर क्लेम प्रतिवादी संख्या 14 डिक्री किये जाने योग्य है।

क्रियात्मक आदेश

अतः उक्त विवेचन के आधार वादी का वाद पत्र एवं प्रतिवादी संख्या 14 का काउन्टर क्लेम आंशिक स्वीकार कर निम्नानुसार डिक्री किया जाता है कि चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 39/36 में गुरप्रीतसिह 0.759 है0 व अमरजीतकौर 0.505 है0 के खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से मृतक गुरदयालकौर का नाम कलमजन करने व खाता सं. 134/117 में गगनदीपसिंह 1.265 है0, रमनदीपकौर 1.139 है0 पवनदीपकौर 0.379 है0 व गुरप्रीतसिंह 0.253 है0 के खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से सुखदेवसिंह का नाम कलमजन करने एव खाता सं. 70/75 में गगनदीपसिंह 1.265 है0 व गुरप्रीतसिंह 2.024 है0 भूमि के खातेदार कर उक्त खाता से बेअन्तकौर,बलजीतकौर, हरदीपसिंह, अमरजीतकौर का नाम कलमजन करने तथा खाता संख्या 71/103 में राजपालकौर 2.024 है0 रमनदीपकौर 0.506 है0 भूमि के खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से गगनदीपसिंह व छगनदीपसिंह का नाम कलमजन करने तथा खाता संख्या 117/2 में गगनदीपसिंह 0.506 है0 भूमि का खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से राजपालकौर का नाम कलमजन करने तथा चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20/29 में छगनदीपसिंह पूर्ण हिस्सा 2.530 है0 भूमि का खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से गगनदीपसिंह का नाम कलमजन किया जाकर पूर्ण हिस्सा छगनदीपसिंह के नाम अंकित करने तथा चक न0 7 पी.टी.पी. खाता सं. 61/86 में बेअन्तकौर पूर्ण हिस्सा 1.265 है0 भूमि की खातेदार काश्तकार घोषित कर उक्त खाता से गुरप्रीतसिंह, बलजीतकौर, हरदीपसिंह का नाम कलमजन करने व इसी चक के खाता संख्या 33/89 में छगनदीपसिंह कुल 0.253 है0 व बेअन्तकौर कुल 0.506 है0 भूमि के खातेदार काश्तकार है उक्त खाता से गुरदयालकौर व सुखदेवसिंह का नाम कलमजन किया जाकर छगनदीपसिंह व बेअन्तकौर का नाम अंकित किये जाने के आदेश दिये जाकर वादीगण एवं प्रतिवादीगण का खाता निम्नानुसार अलग कायम किये जाने के आदेश दिये जाते है:–

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

(क) वादी संख्या 1—गगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134 / 117 व खाता संख्या 70 / 75
व खाता संख्या 117 / 2

प0न0	मु0न0	किला न0
131 / 125	47	24—25 / 0.506,
131 / 126	48	4—7—14—17—18—23—24 / 1.771
131 / 127	63	2—3—4 / 0.759,कुल 3.036 है0 नहरी

(ख) वादी संख्या 2—छगनदीपसिंह पुत्र सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 6 आई.डी.जी. खाता संख्या 20 / 29

प0न0	मु0न0	किला न0
128 / 116	15	15 / 1 / 0.228, 15 / 2 / 0.025,
129 / 116	14	10 ता 14 / 1.265, 15 / 1 / 0.228, 15 / 2 / 0.025, 16 / 1 / 0.228, 16 / 2 / 0.025, 17—18 / 0.506, कुल 2.530 है0 नहरी

चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 33 / 89

प0न0	मु0न0	किला न0
130 / 132	34	8 / 0.253,कुल 0.253 है0 नहरी

(ग) वादी संख्या 3 गुरप्रीतसिंह पुत्र बलदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134 / 117 व 70 / 75 व 39 / 36

प0न0	मु0न0	किला न0
133 / 126	50	1 / 1 / 0.202, 1 / 2 / 0.051, 2 / 1 / 0.228, 2 / 2 / 0.025, 3 / 1 / 0.228, 3 / 2 / 0.025, 6—7—8—9 / 1.012, 10 / 1 / 0.228, 10 / 2 / 0.025, 12—13—14—15 / 1.012 कुल 3.036 है0 नहरी मय गै0मु0

(घ) प्रति0 सं0 2—राजपालकौर पत्नी सुखदेवसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 71 / 103

प0न0	मु0न0	किला न0
133 / 125	45	6, 14 से 18 / 1.518,
134 / 125	44	11—20 / 0.506, कुल 2.024 है0 नहरी

(ङ) प्रति0 सं0 3—बेअन्तकौर पत्नी गुरप्रीतसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता संख्या 61 / 86 व खाता संख्या 33 / 89

प0न0	मु0न0	किला न0
130 / 131	27	2 / 1 / 0.228, 2 / 2 / 0.025, 6 / 1 / 0.215, 6 / 2 / 0.038, 7—8—9 / 0.759,
131 / 132	33	1—10 / 0.506,कुल 1.771 है0 नहरी मय गै0मु0

(च) प्रति0 सं0 6—पवनदीपकौर पत्नी हरदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :—
चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता संख्या 134 / 117

प0न0	मु0न0	किला न0
132 / 126	49	5 / 1 / 0.151, 6 / 1 / 0.228,कुल 0.379 है0 नहरी

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया

(छ) प्रति0 सं0 7–रमनदीपकौर पत्नी गगनदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता सख्या 134 / 117 व खाता संख्या 71 / 103

प0न0	मु0न0	किला न0
132 / 126	49	5 / 1 / 0.051, 5 / 2 / 0.025 खाला 5 / 3 / 0.026 रास्ता 6 / 2 / 0.025 रास्ता,
133 / 125	45	19 व 21 से 25 / 1.518 कुल1.645 है0 नहरी मय गै0मु0

(ज) प्रति0 सं0 10–गुरमेलसिंह 11–हरमेलसिंह पुत्रगण बलवीरसिंह 12–बूटासिंह 13–रामसिंह पुत्रगण जगिन्द्रसिंह की बहिब0 कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 7 पी.टी.पी. खाता सख्या 33 / 89

प0न0	मु0न0	किला न0
133 / 133	42	25 / 0.253, कुल 0.253 है0

(झ) प्रति0 सं0 14–सुखपालकौर पत्नी अजायबसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.डी.जी. खाता सख्या 117 / 2

प0न0	मु0न0	किला न0
131 / 127	63	8 / 1 / 0.127, कुल 0.127 है0 नहरी

(ण) प्रति0 सं0 15–अमरजीतकौर पत्नी गुरदीपसिंह की कब्जा काश्त की भूमि :–

चक नम्बर 5 आई.जी.डी. खाता सख्या 39 / 36

प0न0	मु0न0	किला न0
134 / 126	51	10 / 0.253, 11 / 0.252 कुल 0.505 है0 नहरी

अतः पर्चा डिक्री अलग से जारी होकर पत्रावली फैसल शुमार नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। खर्चा पक्षकारान अपना अपना वहन करेंगे।

निर्णय आज दिनांक 19.1.2026 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(जय कौशिक)
सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, संगरिया

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
संगरिया